दृक्सिद्धं निरयणञ्च चित्रापक्षीयमुत्तमम् । "विद्यापीठस्य पञ्चाङ्गम्" भूमौ विजयतेतराम्॥

ISSN 2229-3450

दृक्सिद्ध निरयण भारतीय

राजा-शनि

विक्रम संवत्-२०७६
शक-संवत्-१९४१

मन्त्री-सूर्य

भा०गणराज्य-संवत् ७२-७३
ईशवीय-सन् २०१९-२०२०

विद्यापीठ-पञ्चाङ्गं

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

(मानित-विश्वविद्यालय)

बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली - ११००१६

वर्ष : ३७

संवत्सर - परिधावी

मूल्य रू. ५०/-

◆ विद्यापीठ पञ्चाङ्ग ◆ ◆ विषय-सूची ◆ ◆ विक्रम संवत् २०७५ ◆

संक्षिप्त-परिचय १
प्रस्तावना २-३
विद्यापीठ-पञ्चाङ्ग की विषय सूची ४
संवत्सरादि फल ५-१३
शनि की साढ़ेसाती व ढ़ैय्या का फल १४-१६
आय-व्यय बोधक चक्र १७
मेषादि द्वादश राशियों का मासिक फल १८-३४
विं० संवत् २०७६ के व्रत-पर्व एवं उत्सव ३५-४५
विं० संवत् २०७६ के वर्गीकृत व्रत-पर्वों की सूची ४६-४७
ग्रहों के राशि एवं नक्षत्रचार वि० सं.-२०७६ ४८-४९
ग्रहों के वक्रत्व-मार्गत्व एवं उदयास्त ५०
सर्वार्थसिद्धि-गुरुपुष्य-रविपुष्य-त्रिपुष्कर
द्विपुष्कर-अमृतसिद्धि, सिद्धियोग
एवं अमृतयोग ५१-५८
वि.सं. २०७६ दैनिक राहुकाल सारिणी ५९-६२
क्रांति-चर-वेलान्तर-स्पष्टान्तर सारिणी ६३-६६
वि० संवत् २०७६ के ग्रहण का विवरण ६७-६९
संदिग्ध व्रत-पर्व निर्णय वि० संवत् २०७५ ७०-७२
वि.सं. २०७६ के माङ्गलिक मुहूर्त्तों का विवरण ७३
वि.सं. २०७६ के विवाहादि मुहूर्त्त ७४-८५
गण्ड-मूलादि जन्म विचार ८६
विक्रम-संवत् २०७६ का पञ्चाङ्ग ८७-११०
वि० संवत् २०७६ के दैनिक स्पष्ट ग्रह १११-१२२
दैनिक लग्न सारिणी १२३-१२९
षड्वर्ग-चक्र १३०-१३१
विंशोत्तरीदशा सारिणी १३२
विंशोत्तरी-दशान्तर्दशा-चक्र १३३

नवीन-प्राचीन वर्ष-प्रवेश सारिणी १३४
मुद्दादशा, योगिनीमुद्दादशा, त्रिराशिपति-चक्र १३४
वर्षफल निर्माण-विधि १३५
लग्नसारिणी अक्षांश १३६-१४१
दशमलग्नसारिणी १४२
ग्रहमैत्री-चक्र, सिद्धयादियोग-चक्र,
अन्धाक्षादिसंज्ञा, शिववास १४३
विविध मुहूर्तों का विचार १४४
गर्भाधान, पुंसवन-सीमन्त, स्तनपान
का मुहूर्त्त १४४
जलपूजन जातकर्म-नामकरण, निष्क्रमण तथा
भूमि पर प्रथमोपवेशन का मुहूर्त्त-विचार १४५-१४६
अन्नप्राशन,कर्णवेध तथा मुण्डन संस्कार
का विचार १४३
नासिकाछेदन, अक्षरारम्भ, विद्यारम्भमुहूर्त्त
का विचार १४७
उपनयन, विवाह-संस्कार का विचार १४८
वर-कन्या का जन्मपत्रिका मेलापक, दुष्टभकूट,
गणकूट, ग्रहकूट का परिहार १४९
नाड़ी-गणदोष का परिहार, वरवरण, कन्या-वरण
का मुहूर्त्त एवं विवाह मुहूर्त्तोपयोगी त्रिबलशुद्धि १५०
वधूप्रवेश तथा द्विरागमन-मुहूर्त्त का विचार १५१
जन्माक्षर-चक्र १५२-१५४
मेलापक-सारणी १५५-१५८
मंगलीदोष-विचार, मंगलीदोष-परिहार १५९
विवाहादि कार्यों में सूर्य, चन्द्र व गुरु
का अष्टक-वर्ग, यात्रा मुहूर्त्त विचार १६०

चन्द्रवास, योगिनीवास, दिक्शूल, नक्षत्र-शूल,
लग्न-विचार व यात्रा प्रस्थान-विचार १६१-१६२
राहुमुखज्ञान, गृहारम्भ विचार १६२
चौघड़िया मुहूर्त्त-चक्र १६३
चैत्रादि मासानुसार गृहारम्भ फल, वत्स-चक्र,
कुआं खोदने या नल लगाने का मुहूर्त्त १६४
द्वारस्थापन विचार, जीर्ण-नूतन गृह प्रवेश-
मुहूर्त्त, कुम्भ-चक्र व दूकान (विपणि) मुहूर्त्त १६५-१६६
व्यापार प्रारम्भ, नौकरी, मुकदमा, मशीनरी,
पशुक्रय, मन्दिर निर्माण व
जलाशयारामसुरप्रतिष्ठा मुहूर्त्त १६६
ग्रहों के दान समय, जपसंख्या, जपनीय-
चुल्लिचक्र विचार, हल प्रवहण मुहूर्त्त,
बीजवपन मुहूर्त्त, राहु नक्षत्र से बीजोप्ति चक्र,
औषधसेवन मुहूर्त्त, वाहन आरोहण मुहूर्त्त १६८
मन्त्र एवं हवन-समिधा ज्ञानार्थ-चक्र १६८
भारत के प्रमुख नगरों के पलभा, अक्षांश,
रेखांश एवं देशान्तर १६९-१७०
लग्नसाधन के लिए पलभा से चरखण्ड तथा
स्वदेशीय उदयमान बनाने की विधि १७०
लघुरित्थ सारिणी १७१-१७२
अभीष्ट स्थान के सूर्योदय तथा इष्टकाल बनाने
की विधि १७३-१७४
विभिन्न अंगों पर पल्ली (छिपकली/किरल)
गिरने का फल एवं उपचार, छींक विचार १७५
जन्मकुण्डली एवं वर्ष कुण्डली में
द्वादशभावस्थसूर्यादि ग्रहों का फल १७६

वि० संवत् २०७६ सन् २०१९-२०२० ई० में मेषादि द्वादश राशियों का मासिक-फल

मेष (ARIES) चु, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ।

यह वर्ष आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। संपूर्ण वर्ष शुभाशुभ फल प्राप्ति के उतार चढ़ाव बने रहेंगे। वर्षारम्भ में भाग्येश गुरु की अष्टम स्थान से राशीश मंगल पर पूर्ण दृष्टि होने के कारण धनप्राप्ति व पारिवारिक सुख में न्यूनता रहेगी। संचित-धन अनावश्यक कार्यों पर व्यय होगा, तथापि धनागम व कुटुम्ब में मांगलिक कृत्यों में कोई कमी नहीं होगी। कर्मेश-लाभेश शनि के भाग्य स्थान में स्थित होने से कार्यव्यापार एवं लाभ-मार्ग प्रशस्त रहेंगे, किन्तु फल प्राप्ति में विलम्ब रहेगा। २२ जून के पश्चात भूमि-भवन-वाहनादि का सुख प्राप्त होगा। व्यवसाय में लाभ, पराक्रम व उत्साह में वृद्धि रहेगी। व्यापारी वर्ग के लिए यह समय कार्यालय व भवन निर्माण हेतु अनुकूल रहेगा। प्रशासनिक व राजकीय कार्यों में रत व्यक्तियों के लिए यह समय यश व पराक्रमदायक रहेगा। विद्यार्थियों के लिए सितम्बर के पश्चात रोजगार के नवीन अवसर प्राप्त होंगे। कार्यक्षेत्र में विस्तार की योजनाएँ कार्यान्वित होगी वर्षान्त में अनावश्यक व्यय व यात्राएँ सम्भव हैं। अनिष्टशान्ति एवं शुभफलप्राप्ति हेतु विष्णु-उपासना, कदली वृक्ष पूजन एवं सत्यनारायणकथा श्रेयस्कर रहेगी।

चैत्र शुक्ल-वैशाख (६ अप्रैल से १८ मई २०१९ ई० तक)

यह समय आपके लिए मध्यम फलदायक रहेगा। मासारम्भ में राशीश मंगल भाग्येश गुरु से पूर्ण रूप से दृष्ट रहेगा, किन्तु अष्टम में स्थिति होने के कारण धनागम के क्षेत्र किञ्चित संकुचित रहेंगे। कार्यव्यवसाय संबंधी योजनाएँ कार्यान्वित होने में विलम्ब होगा। छोटे भाई से मतभेद व अकारण वैमनस्य होने से मानसिक संताप रहेगा। उच्चस्थ सूर्य के प्रभाव से राजकीय व प्रशासनिक क्षेत्रों से सहयोग प्राप्त होगा, लाभमार्ग व कार्यक्षेत्र प्रशस्त होगा मन में संतुष्टि रहेगी, मासान्त में भूमि-भवन-वाहन का लाभ होगा। ८,९,१७,१८,२६,२७ अप्रैल एवं ५,६,७,१४,१५ मई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (१९ मई से १६ जुलाई २०१९ ई० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। भ्रातृपक्ष से सहयोग, होगा, पैतृक सम्पति से लाभ, मित्रवर्ग से संतुष्टि व सौहार्द रहेगा। नवीन गृह, कार्यालय निर्माण के सुअवसर प्राप्त होंगे। व्यापार में उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे, नवीन रोजगार की योजनाएँ कार्यान्वित होगी। मासान्त में मातृ पक्ष से वैचारिक मतभेद मन को संतप्त करेंगे। मिथ्यारोपों से हृदय ग्लानियुक्त रहेगा। संयम व धैर्य ही अपेक्षित होगा। शिरशूल, ज्वर संक्रमण व अस्थायी त्रिदोषों से स्वास्थ्य रक्षा आवश्यक होगी। २३, २४ मई २, ३, १०, ११, १९, २०, २१, २९, ३० जून एवं ८, ९, जुलाई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

श्रावण-भाद्रपद (१७ जुलाई से १४ सितम्बर २०१९ ई० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में राशीश अपनी नीच राशि कर्क में स्थित रहेगा, फलस्वरूप गृह निर्माण, वाहन-भूमि एवं मातृपक्ष से असंतुष्टि व मानसिक कष्ट रहेगा। पूर्वनियोजित कार्य लम्बित होने से मन खिन्न रहेगा, समाज में मानसम्मान, मित्रबन्धुओं से सम्बन्ध प्रभावित होंगे। मासान्त में पुत्र के सहयोग से परिस्थितियाँ अनुकूल होंगी। शत्रुपक्ष

यात्राओं से व्यस्तता बढ़ेगी। व्यय किञ्चित अधिक होगा किन्तु धन का सदुपयोग होने से धैर्य व संतोष रहेगा। पुत्र की उच्च शिक्षा व उन्नति के अवसरों से मनोबल उच्च रहेगा। परिवार के बुजुर्ग सदस्यों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। २१, ३० मई १, ८, ९, १७, १८, २७, २८ जून एवं ६, ७, १४, १५ जुलाई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

श्रावण-भाद्रपद (१७ जुलाई से १४ सितम्बर २०१९ ई० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। भूमि-भवन-वाहन संबंधी कार्यों में रूचि रहेगी किन्तु कार्य सिद्धि हेतु कठिन परिश्रम व अड़चनों का सामना करना पड़ेगा। बार-बार व्यवधानों से लाभ मार्ग अवरूध होंगे । प्रगति की गति मन्द रहेगी। मासान्त में कार्य-क्षेत्र, व्यवसाय में व्यस्तता बढ़ेगी, साथ ही लाभ अनुकूल परिणाम मिलेंगें। समाज में मान सम्मान में वृद्धि होगी, समुदाय में अग्रणी रहने का अवसर प्राप्त होगा। २४, २५, २६ जुलाई २, ३, १०, ११, १२, २०, २१, २२, २९, ३० अगस्त एवं ७, ८ सितम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

आश्विन-कार्तिक (१५ सितम्बर से १२ नवम्बर २०१९ ई० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में कार्यक्षेत्र व व्यापार में यदा-कदा समस्या उत्पन्न होंगी, किन्तु सूझ-बूझ व धैर्य से समाधान भी हो जाएगी। दूर-पास की आकस्मिक यात्राएँ व्ययकारी होगी किन्तु मासान्त में आर्थिक स्थिति में निरन्तर सुधार होगा, सुखद व अनुकूल परिणामों से मन में संतोष व संतुष्टि रहेगी, पिता-पुत्र से किञ्चित मन मुटाव रहेगा। १७, १८, २६, २७ सितम्बर ४, ५, १४, १५, २३, २४, ३१ अक्टूबर एवं १, २, १०, ११, १२ नवम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

मार्गशीष-पौष (१३ नवम्बर २०१९ ई० से १० जनवरी २०२० ई० तक)

यह समय आपके लिए संतोषजनक रहेगा। कार्य व्यवसाय में स्थिरता आने से मन प्रसन्न रहेगा, व्यवसायिक क्षेत्रों से धनागम में वृद्धि रहेगी, धनसंचय व लाभ मार्गो में वृद्धि से मनोबल उच्च रहेगा। पुत्र की उच्च शिक्षा व रोजगार में सफलता रहेगी, कार्यक्षेत्र में उन्नति की नवीन योजनाएँ फलभूत होंगी व आशातीत सफलता प्राप्त होगी। समाज, बन्धु वान्धवो में यश, मान-सम्मान प्राप्त होगा। १६, २०, २१, २८, २६ नवम्बर ८, ६, १७, १८, २५, २६ दिसम्बर एवं ४, ५, जनवरी के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण (११ जनवरी से २४ मार्च २०२० ई० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में व्ययाधिक्य रहेगा। आय-व्यय का संतुलन प्रभावित होगा, आकस्मिक खर्च मन को व्यथित करेगे, पति/पत्नी से मनमुटाव रहेगा। मासान्त में स्थिति सँभलेगी, कार्यक्षेत्र में उन्नति हेतु कठिन परिश्रम अपेक्षित रहेगा, कड़ी प्रतियोगिता के पश्चात भी कार्यक्षेत्र से उत्तम धनलाभ व संचय होगा, परिवार में सौख्य रहेगा। १३, १४, १५, १६, २०, २१ जनवरी १, २, ६, १०, ११, १५, १६, २८ फरवरी एवं १, ८, ६, १० मार्च के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

प्रो० नीलम ठगेला
ज्योतिष-विभाग

दृक्सिद्धं निरयणञ्च चित्रापक्षीयमुत्तमम् । "विद्यापीठस्य पञ्चाङ्गम्" भूमौ विजयतेतराम्।।

ISSN 2229-3450

दृक्सिद्ध निरयण भारतीय

राजा-बुध

विक्रम संवत्-२०७७
शक-संवत्-१९४२

मन्त्री-चन्द्र

भा०गणराज्य-संवत् ७३-७४
ईशवीय-सन् २०२०-२०२१

विद्यापीठ-पञ्चाङ्ग

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

(मानित-विश्वविद्यालय)

बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली - ११००१६

वर्ष : ३८

संवत्सर - प्रमादी

मूल्य रू. ५०/-

◈ विद्यापीठ पञ्चाङ्ग ◈ ◈ विषय-सूची ◈ ◈ विक्रम संवत् २०७७ ◈

संक्षिप्त-परिचय १
प्रस्तावना २-३
विद्यापीठ-पञ्चाङ्ग की विषय सूची ४
संवत्सरादि फल ५-१३
शनि की साढ़ेसाती व ढ़ैय्या का फल १४-१६
आय-व्यय बोधक चक्र १७
मेषादि द्वादश राशियों का मासिक फल १८-३७
विं० संवत् २०७७ के व्रत-पर्व एवं उत्सव ३८-४७
विं० संवत् २०७७ के वर्गीकृत व्रत-पर्वों की सूची ४८-४९
ग्रहों के राशि एवं नक्षत्रचार वि० सं.-२०७७ ५०-५१
ग्रहों के वक्रत्व-मार्गत्व एवं उदयास्त ५२
सर्वार्थसिद्धि-गुरुपुष्य-रविपुष्य-त्रिपुष्कर द्विपुष्कर-अमृतसिद्धि, सिद्धियोग, अमृतयोग एवं रवियोग ५३-६१
वि.सं. २०७७ दैनिक राहुकाल सारिणी ६२-६५
क्रांति-चर-वेलान्तर-स्पष्टान्तर सारिणी ६६-६९
वि० संवत् २०७७ के ग्रहण का विवरण ७०-७१
संदिग्ध व्रत-पर्व निर्णय वि० संवत् २०७७ ७२-७६
वि.सं. २०७७ के माङ्गलिक मुहूर्त्तों का विवरण ७७
वि.सं. २०७७ के विवाहादि मुहूर्त्त ७८-८९
गण्ड-मूलादि जन्म विचार ९०
विक्रम-संवत् २०७७ का पञ्चाङ्ग ९१-११६
वि० संवत् २०७७ के दैनिक स्पष्ट ग्रह ११७-१३०
दैनिक लग्न सारिणी १३१-१३७
षड्वर्ग-चक्र १३८-१३९
विंशोत्तरीदशा सारिणी १४०
विंशोत्तरी-दशान्तर्दशा-चक्र १४१
नवीन-प्राचीन वर्ष-प्रवेश सारिणी १४२
मुद्दादशा, योगिनीमुद्दादशा, त्रिराशिपति-चक्र
वर्षफल निर्माण-विधि १४३
लग्नसारिणी अक्षांश १४४-१४९
दशमलग्नसारिणी १५०
ग्रहमैत्री-चक्र, सिद्धयादियोग-चक्र,
अन्धाक्षादिसंज्ञा, शिववास १५१
विविध मुहूर्तों का विचार
गर्भाधान, पुंसवन-सीमन्त, स्तनपान का मुहूर्त्त १५२
जलपूजन जातकर्म-नामकरण, निष्क्रमण तथा भूमि पर प्रथमोपवेशन क मुहूर्त्त-विचार १५२-१५४
अन्नप्राशन,कर्णवेध तथा मुण्डन संस्कार का विचार
नासिकाछेदन, अक्षरारम्भ, विद्यारम्भमुहूर्त्त का विचार १५५
उपनयन, विवाह-संस्कार का विचार १५६
वर-कन्या का जन्मपत्रिका मेलापक, दुष्टभकूट, गणकूट, ग्रहकूट का परिहार १५७
नाड़ी-गणदोष का परिहार, वरवरण, कन्या-वरण का मुहूर्त्त एवं विवाह मुहूर्त्तोपयोगी त्रिबलशुद्धि १५८
वधूप्रवेश तथा द्विरागमन-मुहूर्त्त का विचार १५९
जन्माक्षर-चक्र १६०-१६२
मेलापक-सारिणी १६३-१६६
मंगलीदोष-विचार, मंगलीदोष-परिहार १६७
विवाहादि कार्यों में सूर्य, चन्द्र व गुरु का अष्टक-वर्ग, यात्रा मुहूर्त्त विचार १६८
चन्द्रवास, योगिनीवास, दिक्शूल, नक्षत्र-शूल, लग्न-विचार व यात्रा प्रस्थान-विचार १६९-१७०
राहुमुखज्ञान,
गृहारम्भ विचार, चौघड़िया मुहूर्त्त-चक्र १७१
चैत्रादि मासानुसार गृहारम्भ फल, वत्स-चक्र,
कुआं खोदने या नल लगाने का मुहूर्त्त १७२
द्वारस्थापन विचार, जीर्ण-नूतन गृह प्रवेश-मुहूर्त्त, कुम्भ-चक्र व दूकान (विपणि) मुहूर्त्त १७३
व्यापार प्रारम्भ, नौकरी, मुकदमा, मशीनरी, पशुक्रय, मन्दिर निर्माण व जलाशयारामसुरप्रतिष्ठा मुहूर्त्त
जपनीय- चुल्लिचक्र विचार, हल प्रवहण मुहूर्त्त, बीजवपन मुहूर्त्त, राहु नक्षत्र से बीजोप्ति चक्र, ग्रहों के दान समय, जपसंख्या, औषधसेवन मुहूर्त्त, वाहन आरोहण मुहूर्त्त १७४-१७५
मन्त्र एवं हवन-समिधा ज्ञानार्थ-चक्र १७६
भारत के प्रमुख नगरों के पलभा, अक्षांश, रेखांश एवं देशान्तर १७७-१७८
लग्नसाधन के लिए पलभा से चरखण्ड तथा स्वदेशीय उदयमान बनाने की विधि
लघुरित्थ सारिणी १७९-१८०
अभीष्ट स्थान के सूर्योदय तथा इष्टकाल बनाने की विधि १८१-१८२
विभिन्न अंगों पर पल्ली (छिपकली/किरल) गिरने का फल एवं उपचार, छींक विचार १८३
जन्मकुण्डली एवं वर्ष कुण्डली में द्वादशभावस्थसूर्यादि ग्रहों का फल १८४

वि० संवत् २०७७ सन् २०२०-२०२१ ई० में मेषादि द्वादश राशियों का मासिक-फल

मेष (ARIES) **चु, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ।**

यह वर्ष आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा वर्षारम्भ में राशीश मंगल अपनी स्वोच्च राशि में होगा तथा १८ अप्रैल से १५ मई तक सूर्य भी इस राशि में उच्च का रहेगा। अतः यह समय अनुकूल व शुभफलदायक रहेगा, रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी मान सम्मान बढ़ेगा, उच्चशिक्षा का मार्ग प्रशस्त होगा, प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता मिलेगी, उच्चपदस्थ अधिकारियों से घनिष्ठ संबन्ध बनेगें, भाग्य सहायक रहेगा, आय के संसाधनों में वृद्धि होगी कार्य क्षेत्र, व्यापार में सफलता के उत्तरोत्तर मार्ग प्रशस्त होगें। चिरलम्वित कार्य संपूर्ण होगें, मनोकामनाएँ फलीभूत होगीं। परन्तु १८ जून से मीन राशि में प्रवेश के पश्चात किञ्चित अड्चनें मानसिक तनाव उम्पन्न करेगी, बनते कार्यो में व्यवधान उत्पन्न होगें, व्यय की अधिकता व अनावश्यक भागदौड़ से मन संतप्त रहेगा। बन्धु जनों से अवरोध, भूमि, भवनसम्बन्धी कार्यो का सम्पन्न करने मे अड़चनें पैदा होगी। वर्षान्त में परिस्थितियाँ परिवर्तित होगी, समय किञ्चित अनुकूल रहेगा।

चैत्रशुक्ल पक्ष-वैशाख (२५ मार्च से ७ मई २०२० ई. तक)

यह समय आपको उत्तम फल प्रदान करने वाला है यह समय आपके लिए शुभ व अनुकूल फल प्रदान करने वाला है राशि से दशमस्थान में उच्चस्थ मगंल राजकीय कार्यों को सम्पन्न व व्यापारिक कार्यो में सफलता प्रदान करने वाला है, मान सम्मान में वृद्धि, रोजगार में उन्नति, पारिवारिक सुख शान्ति रहेगी। समाज के सम्मानित व प्रतिष्ठित व्यक्तियों से सम्पर्क बढ़ेगा, उच्चाधिकारियों के सहयोग से चहुँमुखी सफलता में उत्तरोत्तर वृद्धि रहेगी। मनोवाञ्छित फल प्राप्त होगें। ३,४,११,१२,२०,२१,२२,३० अप्रैल एवं १ मई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (८ मई से ५ जुलाई २०२० ई, तक)

यह समय आपको मिश्रित फल प्रदान करने वाला है मासारम्भ में कार्य व्यवसाय से धनलाभ के सुअवसर प्राप्त होगें। राजकीय व सामाजिक कार्या में सफलता प्राप्त होगी। मासान्त में व्यवसाय व कारोबार सम्बन्धी किञ्चित अड़चन उत्पन्न होगी, व्यय की अधिकता व अनावश्यक भाग दौड़ से मन व शरीर क्लान्त रहेगा। आकास्मिक यात्राएं कार्य-व्यवसाय में बाधाएँ उत्पन्न करेगी। रोग व शत्रुओं के ऊपर धन का अपव्यय होगा। ८,९,१७,१८,१९,२७,२८ मई ५,६,१४,१५,२३,२४,२५ जून एवं २,३, जुलाई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

श्रावण-भाद्रपद (६ जुलाई से २ सितम्बर २०२० ई, तक)

यह समय आपके लिए शुभाशुभ मिश्रित फल प्रदान करने वाला है। १८ जून से मंगल इसी राशि में प्रेवश कर चुका है अतः विगड़े व लम्वित कार्य सपूर्णता को प्राप्त करेगें, आर्थिक, शारीरिक स्थिति में अनुकूल सुधार होगा, पराक्रम व उत्साह में वृद्धि रहेगी। परिवार के सहयोग से नवीन कार्य की योजना फलीभूत होगी। संतान पक्ष से संतोष रहेगा मासान्त मे ६ अगस्त से मंगल वक्री होकर मीन राशि में प्रवेश करेगा, कारणवश कठिनाईयां उत्पन्न होगी। ११,१२,२२,२९,३० जुलाई एवं ७,८,९,१७,१८,२५,२६,२७ अगस्त

योजना को क्रियान्वित करने में सफलता प्राप्त होगी। परिवार में परस्पर सहयोग व हर्ष का वातावरण रहेगा। १५,१६,२५,२६ मई एवं २,३,४,११,२, १३,२१,२२,३० जून के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

श्रावण-भाद्रपद (६ जुलाई से २ सितम्बर २०२० ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फल दायक रहेगा। कार्य क्षेत्र व व्यवसाय में उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। राशीश गुरु की नीचस्थ दृष्टि संतान भाव पर रहने से संतान के स्वास्थ्य एवं कारोबार संबंधी चिन्ताएँ बढ़ेगी। स्त्री पक्ष के लिए भी यह समय मध्यम ही रहेगा। अगस्त में संक्रमण, ज्वर पीलिया जैसे रोगों से शरीररक्षा आवश्यक होगी। १,६,१०,१८,२०,२७,२६ जुलाई ५,६,१५,१६,२३,२४ अगस्त एवं १,२ सितम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

आश्विन कृष्ण-आश्विन अधिक-आश्विन शुक्ल पक्ष (३ सितम्बर से ३१ अक्टूबर २०२० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फल प्रदान करने वाला रहेगा। भाग्येश मंगल के वक्री होनें से कठिनाईयाँ व अड़चनों को सामना करना पड़ेगा। अनावश्यक वाद-विवाद से परहेज करें। कार्यक्षेत्र व व्यवसाय में शत्रुवर्ग से कठिन प्रतियोगिता व संघर्ष करना पड़ सकता है। उत्तरार्ध में स्थिति सँभलेगी। आय के संसाधनों में वृद्धि होने से आय व्यय का संतुलन बनेगा। राजकीय कार्यो में लाभ के अवसर बनेगें। ३,११,१२,२०,२१,२६,३० सितम्बर एवं ८,६,१०, १७,१८,२६,२७ अगस्त के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

कार्तिक-मार्गशीर्ष (१ नवम्बर से ३० दिसम्बर २०२० ई.तक)

यह समय आपके लिए उत्तम फल प्रदान करने वाला हैं। शत्रुपक्ष निर्वल रहेगा, निकट जनों के सहयोग से कई वड़ी समस्याओ व कष्ट से छुटकारा मिलेगा धर्म व आध्यात्म में रूचि बढ़ेगी। तीर्थाटन व शोभायात्राओं में सहभागीता के अवसर प्राप्त होगें। दान धर्म से यश प्राप्ति होगी। कार्यक्षेत्र व्यवसाय में नई उँचाईयाँ प्राप्त होगीं। धनागम व संतोष से हर्ष प्राप्ति होगी। ५,६,१३,१४,२२,२३ नवम्बर एवं २,३,११,१२,१६,२०,२१,२६,३०,३१ सितम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

पौष-माघ (३१ दिसम्बर २०२० ई. से २७ फरवरी २०२१ तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फल दायक रहेगा। मासारम्भ में कार्यक्षेत्र व व्यवसाय में आय के संसाधनो में वृद्धि होगीं। राजकीय कार्यो को करने मे सफलता प्राप्त होगी। व्यवसाय अथवा व्यापार का विस्तार होगा। वर्षो से लम्वित कार्य व मनोकामनाएँ पूर्ण होगी इष्टप्राप्ति से हर्ष व उल्लास का वातावाण रहेगा। मासान्त में आकस्मिक खर्चो से आय-व्यय का संतुलन प्रभावित होगा। व्यय सद्कार्यो पर होने से संतुष्टि रहेगी। रोजगार संबंधी यात्राओं से व्यवस्तता बढ़ेगी। ७,८,१६,१७,२६,२७ जनवरी एवं ३,४,५,१२,१३,२२,२३ फरवरी के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

फाल्गुन-चैत्र कृष्ण पक्ष (२८ फरवरी से १२ अप्रैल २०२१ तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फल प्रदान करने वाला रहेगा। आर्थिक समस्याओं के रहते, संसारिक व व्यवहारिक कार्यो को सम्पन्न करने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगां अनेक बाधाओं के रहते कार्यक्षेत्र व व्यवसाय में समस्याएं उत्पन्न होंगी। विवादित प्रसंगो से परिवार व बन्धु बान्धवो से अर्न्तविरोध उत्पन्न हो सकते है। अतः ऐसे वातावरण में तटस्थ रहें। स्वास्थ्य नरम रहेगा, वृथा भ्रमण का त्याग करें। ३,४,११,१२,१३,२१, २२,२३,३०,३१ मार्च एवं ८,६ अप्रैल के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

प्रो० नीलम ठगेला
ज्योतिष-विभाग

दृक्सिद्धं निरयणञ्च चित्रापक्षीयमुत्तमम् । "विद्यापीठस्य पञ्चाङ्गम्" भूमौ विजयतेतराम्॥

ISSN 2229-3450

दृक्सिद्ध निरयण भारतीय

राजा-मंगल

विक्रम संवत्-२०७८
शक-संवत्-१९४३

मन्त्री-मंगल

भा०गणराज्य-संवत् ७४-७५
ईशवीय-सन् २०२१-२०२२

विद्यापीठ-पञ्चाङ्गं

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय-विश्वविद्यालय)

बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली - ११००१६

वर्ष : ३९

संवत्सर - राक्षस

मूल्य रू. ५०/-

♦ विद्यापीठ पञ्चाङ्ग ♦

संक्षिप्त-परिचय १
प्रस्तावना २-३
विद्यापीठ-पञ्चाङ्ग की विषय सूची ४
संवत्सरादि फल ५-१२
शनि की साढ़ेसाती व ढ़ैय्या का फल १२-१४
आय-व्यय बोधक चक्र १५
मेषादि द्वादश राशियों का मासिक फल १६-३२
वि० संवत् २०७८ के व्रत-पर्व एवं उत्सव ३३-४१
वि. सं. २०७८ के वर्गीकृत व्रत-पर्वों की सूची ४२-४३
ग्रहों के राशि एवं नक्षत्रचार वि. सं.-२०७८ ४४-४५
ग्रहों के वक्रत्व-मार्गत्व एवं उदयास्त ४६
सर्वार्थसिद्धि-गुरुपुष्य-रविपुष्य-त्रिपुष्कर द्विपुष्कर-अमृतसिद्धि, सिद्धियोग, अमृतयोग एवं रवियोग ४७-५३
वि.सं. २०७८ दैनिक राहुकाल सारिणी ५४-५७
क्रांति-चर-वेलान्तर-स्पष्टान्तर सारिणी ५८-६१
वि० संवत् २०७८ के ग्रहण का विवरण ६२-६५
संदिग्ध व्रत-पर्व निर्णय वि० संवत् २०७८ ६६-६८
वि.सं. २०७८ के माङ्गलिक मुहूर्त्तों का विवरण ६९
वि.सं. २०७८ के विवाहादि मुहूर्त्त ७०-८३
गण्ड-मूलादि जन्म विचार ८४
विक्रम-संवत् २०७८ का पञ्चाङ्ग ८५-१०८
वि० संवत् २०७८ के दैनिक स्पष्ट ग्रह १०९-१२२
दैनिक लग्न सारिणी १२३-१२९
षड्वर्ग-चक्र १३०-१३१
विंशोत्तरीदशा सारिणी १३२

♦ विषय-सूची ♦

विंशोत्तरी-दशान्तर्दशा-चक्र १३३
नवीन-प्राचीन वर्ष-प्रवेश सारिणी १३४
मुद्दादशा, योगिनीमुद्दादशा, त्रिराशिपति-चक्र १३४
वर्षफल निर्माण-विधि १३५
लग्नसारिणी अक्षांश १३६-१४१
दशमलग्नसारिणी १४२
ग्रहमैत्री-चक्र, सिद्धयादियोग-चक्र, अन्धाक्षादिसंज्ञा, शिववास १४३
विविध मुहूर्तों का विचार
गर्भाधान, पुंसवन-सीमन्त, स्तनपान का मुहूर्त्त १४४
जलपूजन जातकर्म-नामकरण, निष्क्रमण तथा भूमि पर प्रथमोपवेशन का मुहूर्त्त-विचार १४५
अन्नप्राशन,कर्णवेध तथा मुण्डन संस्कार का विचार नासिकाछेदन, अक्षरारम्भ, विद्यारम्भमुहूर्त्त का विचार १४६-१४७
उपनयन, विवाह-संस्कार का विचार १४८
वर-कन्या का जन्मपत्रिका मेलापक, दुष्टभकूट, गणकूट, ग्रहकूट का परिहार १४९
नाड़ी-गणदोष का परिहार, वरवरण, कन्या-वरण का मुहूर्त्त एवं विवाह मुहूर्त्तोपयोगी त्रिबलशुद्धि १५०
वधूप्रवेश तथा द्विरागमन-मुहूर्त्त का विचार १५१
जन्माक्षर-चक्र १५२-१५४
मेलापक-सारिणी १५५-१५८
मंगलीदोष-विचार, मंगलीदोष-परिहार १५९
विवाहादि कार्यों में सूर्य, चन्द्र व गुरु का अष्टक-वर्ग, यात्रा मुहूर्त्त विचार १६०

♦ विक्रम संवत् २०७८ ♦

चन्द्रवास, योगिनीवास, दिक्शूल, नक्षत्र-शूल, लग्न-विचार व यात्रा प्रस्थान-विचार १६१-१६२
राहुमुखज्ञान, गृहारम्भ विचार, चौघड़िया मुहूर्त्त-चक्र १६२-१६३
चैत्रादि मासानुसार गृहारम्भ फल, वत्स-चक्र, कुआं खोदने या नल लगाने का मुहूर्त्त १६४
द्वारस्थापन विचार, जीर्ण-नूतन गृह प्रवेश-मुहूर्त्त, कुम्भ-चक्र व दूकान (विपणि) मुहूर्त्त १६५
व्यापार प्रारम्भ, नौकरी, मुकदमा, मशीनरी, पशुक्रय, मन्दिर निर्माण व जलाशयारामसुरप्रतिष्ठा मुहूर्त्त, जपनीय- चुल्लिचक्र विचार, हल प्रवहण मुहूर्त्त, बीजवपन मुहूर्त्त, राहु नक्षत्र से बीजोप्ति चक्र, ग्रहों के दान समय, जपसंख्या, औषधसेवन मुहूर्त्त, वाहन आरोहण मुहूर्त्त १६६-१६७
मन्त्र एवं हवन-समिधा ज्ञानार्थ-चक्र १६८
भारत के प्रमुख नगरों के पलभा, अक्षांश, रेखांश एवं देशान्तर १६९-१७०
लग्नसाधन के लिए पलभा से चरखण्ड तथा स्वदेशीय उदयमान बनाने की विधि १७०
लघुरित्थ सारिणी १७१-१७२
अभीष्ट स्थान के सूर्योदय तथा इष्टकाल बनाने की विधि १७३-१७४
विभिन्न अंगों पर पल्ली (छिपकली/किरल) गिरने का फल एवं उपचार, छींक विचार १७५
जन्मकुण्डली एवं वर्ष कुण्डली में द्वादशभावस्थसूर्यादि ग्रहों का फल १७६

विक्रम संवत् २०७८ सन् २०२१-२०२२ ई. में मेषादि द्वादश राशियों का मासिक-फल

मेष (ARIES) चु, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ ।

यह वर्ष आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। वर्षारम्भ में राशीश मंगल राशि से तृतीय स्थान में रहेगा और भाग्येश गुरु की एकादश स्थान से विशेष पंचम दृष्टि शुभ फलदायक रहेगी, अत: उत्साह एवं पराक्रम में वृद्धि रहेगी, शत्रुपक्ष निर्बल रहेगा, धर्म में रुचि बढ़ेगी, सामाजिक व धार्मिक कार्यों को करने से समाज में मान-सम्मान व यश बढ़ेगा। कार्य-व्यवसाय में लाभ के अवसर मिलेंगे १४ अप्रैल से १४ मई तक सूर्य इस राशि पर स्वोच्च का रहेगा अत एव कार्यक्षेत्र व व्यवसाय में उन्नति होगी, रोजगार के नवीन अवसर प्राप्त होंगे, अनेक संसाधनों से धनागम, उच्च प्रतिष्ठित लोगों के सम्पर्क से मान-सम्मान में वृद्धि, उच्चशिक्षा प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होगा २ जून से मंगल के स्वनीच राशि में रहने के कारण स्वास्थ्य मध्यम रहेगा, बनते कार्यों में व्यवधान उत्पन्न होंगे। भवन, भूमि वाहन संबधी कार्यों में कठिनाई रहेगी। शेष वर्ष उतार-चढ़ाव भरा रहेगा शान्ति हेतु हनुमदुपासना श्रेयस्कर रहेगी।

चैत्र शुक्ल पक्ष-वैशाख (१३ अप्रैल से २६ मई २०२१ ई. तक)

यह समय आपके लिए अनुकूल फलदायक रहेगा। एकादश स्थान से भाग्येश गुरु की दृष्टि राशीश मंगल पर हरेगी अत: चिरलंवित मनोकामनाएँ पूर्ण करने का अवसर प्राप्त होगा। उत्साह व पराक्रम में वृद्धि रहेगी, अनेक लंवित कार्य अपने विवेक से सुलझाने में सक्षम रहेंगे अत: मनोबल उच्च रहेगा, समाज में अग्रणी रहेंगे, मान-सम्मान, भूमि भवन वाहन का सौख्य रहेगा। भातृपक्ष व राज्य पक्ष से सहयोग व लाभ प्राप्त होगा। धनागम के अनेक संसाधन प्रशस्त होंगे। १४, १५, १६, २४, २५, २६, २७ अप्रैल एवं २, ३, ४, १२, १३, १४, २१, २२, २३ मई के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (२७ मई से २४ जुलाई २०२१ ई, तक)

यह समय आपके लिए अनुकूल फलदायक रहेगा। भूमि, भवन, वाहन का सौख्य रहेगा बन्धुवर्ग व परीजनों का सहयोग रहने से उन्नति के अनेक मार्ग प्रशस्त होंगे। कार्य-व्यवसाय के क्षेत्र में अनेक लाभकारी योजनाएँ क्रियान्वित होगी। निर्माण कार्यों में पूँजी निवेश से उत्तम लाभ प्राप्त होगा। परिवार में सुख-शन्ति का वातावरण रहेगा। माता का स्वास्थ्य किञ्चित नरम रहेगा। सन्तान पक्ष से सहयोग रहेगा। २९, ३०, ३१ मई ८, ९, १०, १७, १८, १९, २६, २७, २८ जून एवं ५, ६, ७, १५, १६, १७, २३, २४ जुलाई के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

श्रावण-भाद्रपद (२५ जुलाई से २० सितम्बर २०२१ ई, तक)

यह समय आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा। सन्तान पक्ष से शिक्षा के उच्च अवसर प्राप्त होंगे। गृह निर्माण के कार्यों से मान-सम्मान व धनागम के अनेक संसाधन बनेंगे। मातृपक्ष, बन्धुवर्ग व रिश्तेदारों के सहयोग से आय के स्त्रोतों में वृद्धि होगी परिवार कुटुम्ब में शान्ति सुख व मांगलिक कार्यों का वातावरण बनेगा। सन्तान पक्ष की उन्नति से संतोष रहेगा। १, २, ३, ११, १२, १९, २०, २१, २९, ३० अगस्त एवं ७, ८, ९, १६, १७, १८ सितम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

आश्विन-कार्तिक (२१ सितम्बर से १९ नवम्बर २०२१ ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। ६ सितम्बर से मंगल कन्या राशि में सञ्चार करेगा अत: शत्रु वर्ग प्रबल रहेगा, लाभकारी योजनाएँ किञ्चित लम्बित रहेगी। स्वास्थ्य भी नरम रहेगा। संक्रमण ज्वारादि से शरीर क्षीण रहेगा। लाभ के स्त्रोत बने रहेंगे। किसी पुराने झगड़े व मुकदमें का परिणाम आपके पक्ष में आ सकता है। भूमि, भवन व वाहन में द्रव्य निवेश लाभकारी रहेगा। [illegible]

आश्विन-कार्तिक (२१ सितम्बर से १९ नवम्बर २०२१ ई. तक)

यह समय आपके लिए शुभफलदायक रहेगा। पूर्वार्द्ध में कार्यक्षेत्र में सफलता, धनागम के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। नई-नई योजनाएँ कार्यान्वित होने से लाभ के मार्ग प्रशस्त होंगे। भवन-भूमि-वाहनादि का प्रचुर सुख प्राप्त होगा। भ्रातृपक्ष से सहयोग माता का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। उत्तरार्ध में स्वास्थ्य किञ्चित नरम रहेगा। पैरो में पीड़ा, उदर-पीड़ा कफ-वायु विकार टायफायड पीलिया, आदि संक्रामक रोगों से सतर्क रहे शुत्रुपक्ष प्रयत्न करने पर भी हानि नहीं पहुँचा पाएगा। २३, २४, २५ सितम्बर २, ३, ४, ११, १२, १३, १९, २०, ३०, ३१ अक्टूबर एवं ७, ८, ९, १६, १७ नवम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

मार्गशीर्ष-पौष (२० नवम्बर २०२१ ई. से १७ जनवरी २०२२ ई, तक)

यह समय आपके लिए शुभफलदायक रहेगा। पूर्वार्द्ध में मातृपक्ष, कुटुम्ब जनों मातृपक्ष के सहयोग से हर्ष व उत्साह बना रहेगा। मानसम्मान में वृद्धि, यश प्राप्ति, समुदाय में अग्रणी रहेंगे। अनेक स्रोतों व साधनों से लाभ प्राप्ति व धनागम होगा। स्थायी कोष में वृद्धि से मन प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र का विस्तार व जलीय संसाधनों से प्रचुर लाभ मिलेगा। परिवार में संतुष्टि, सुख व हर्ष का वातावरण रहेगा। भौतिक संसाधनों का भी सुख प्राप्त होगा। २६, २७, २८ नवम्बर ५, ६, १३, १४, १५, २३, २४, २५ दिसम्बर एवं १, २, १०, ११, १२ जनवरी के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण पक्ष (१८ जनवरी से ०१ अप्रैल २०२२ ई, तक)

यह समय आपके लिए शुभफलदायक रहेगा। भ्रातृपक्ष से सहयोग व कार्य व्यापार में सहायता मिलेगी पूर्वार्द्ध में भूमि-भवन-वाहनादि का उत्तम लाभ होगा राशीश के राशि से चतुर्थ स्थान में स्थित होने के फलस्वरूप माता का सहयोग मिलेगा, गृह प्राप्ति पैतृक सम्पत्ति का लाभ होगा। संतानपक्ष से हर्ष व संतुष्टि रहेगी उच्चशिक्षा व पर्यटन हेतु देश-विदेश-यात्रा संभव है। परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा। पति/पत्नी से संबंध मधुर रहेंगे। २०, २१, २२, २९, ३० जनवरी ६, ७, ८, १६, १७, १८, २५, २६, २७ फरवरी ६, ७, ८, १५, १६, १७, २४, २५, २६ मार्च एवं १ अप्रैल के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

प्रो. नीलम ठगेला
ज्येतिष-विभाग

दृक्सिद्धं निरयणञ्च चित्रापक्षीयमुत्तमम् । "विद्यापीठस्य पञ्चाङ्गम्" भूमौ विजयतेतराम्॥

ISSN 2229-3450

दृक्सिद्ध निरयण भारतीय

राजा-शनि

विक्रम संवत्-२०७९
शक-संवत्-१९४४

मन्त्री-गुरु

भा०गणराज्य-संवत् ७५-७६
ईशवीय-सन् २०२२-२०२३

विद्यापीठ-पञ्चाङ्ग

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय-विश्वविद्यालय)

बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली - ११००१६

वर्ष : ४०

संवत्सर - नल

मूल्य रू. ५०/-

♦ विद्यापीठ पञ्चाङ्ग ♦

संक्षिप्त-परिचय	१
प्रस्तावना	२-३
विद्यापीठ-पञ्चाङ्ग की विषय सूची	४
संवत्सरादि फल	५-१२
शनि की साढ़ेसाती व ढैय्या का फल	१२-१४
आय-व्यय बोधक चक्र	१५
मेषादि द्वादश राशियों का मासिक फल	१६-३२
वि० संवत् २०७९ के व्रत-पर्व एवं उत्सव	३३-४२
वि. सं. २०७९ के वर्गीकृत व्रत-पर्वों की सूची	४३-४४
ग्रहों के राशि एवं नक्षत्रचार वि. सं.-२०७९	४५-४६
ग्रहों के वक्रत्व-मार्गत्व एवं उदयास्त	४७
सर्वार्थसिद्धि-गुरुपुष्य-रविपुष्य-त्रिपुष्कर द्विपुष्कर, सिद्धियोग, अमृतयोग एवं रवियोग	४८-५४
वि.सं. २०७९ दैनिक राहुकाल सारिणी	५५-५८
क्रांति-चर-वेलान्तर-स्पष्टान्तर सारिणी	५९-६२
वि० संवत् २०७९ के ग्रहण का विवरण	६३-६५
संदिग्ध व्रत-पर्व निर्णय वि० संवत् २०७९	६६-६७
वि.सं. २०७९ के माङ्गलिक मुहूर्त्तों का विवरण	६८
वि.सं. २०७९ के विवाहादि मुहूर्त्त	६९-८१
गण्ड-मूलादि जन्म विचार	८२
विक्रम-संवत् २०७९ का पञ्चाङ्ग	८३-१०६
वि० संवत् २०७९ के दैनिक स्पष्ट ग्रह	१०७-१२०
दैनिक लग्न सारिणी	१२१-१२७
षड्वर्ग-चक्र	१२८-१२९
विंशोत्तरीदशा सारिणी	१३०
विंशोत्तरी-दशान्तर्दशा-चक्र	१३१
नवीन-प्राचीन वर्ष-प्रवेश सारिणी	१३२
मुद्दादशा, योगिनीमुद्दादशा, त्रिराशिपति-चक्र	१३२
वर्षफल निर्माण-विधि	१३३
लग्नसारिणी अक्षांश	१३४-१३९
दशमलग्नसारिणी	१४०
ग्रहमैत्री-चक्र, सिद्धयादियोग-चक्र, अन्धाक्षादिसंज्ञा, शिववास	१४१
विविध मुहूर्तों का विचार	
गर्भाधान, पुंसवन-सीमन्त, स्तनपान का मुहूर्त्त	१४२
जलपूजन जातकर्म-नामकरण, निष्क्रमण तथा भूमि पर प्रथमोपवेशन क मुहूर्त्त-विचार	१४३
अन्नप्राशन,कर्णवेध तथा मुण्डन संस्कार का विचार	
नासिकाछेदन, अक्षरारम्भ, विद्यारम्भमुहूर्त्त का विचार	१४५
उपनयन, विवाह-संस्कार का विचार	१४६
वर-कन्या का जन्मपत्रिका मेलापक, दुष्टभकूट, गणकूट, ग्रहकूट का परिहार	१४७
नाड़ी-गणदोष का परिहार, वरवरण, कन्या-वरण का मुहूर्त्त एवं विवाह मुहूर्त्तोपयोगी त्रिबलशुद्धि	१४८
वधूप्रवेश तथा द्विरागमन-मुहूर्त्त का विचार	१४९
जन्माक्षर-चक्र	१५०-१५२
मेलापक-सारिणी	१५३-१५६
मंगलीदोष-विचार, मंगलीदोष-परिहार	१५७
विवाहादि कार्यों में सूर्य, चन्द्र व गुरु का अष्टक-वर्ग, यात्रा मुहूर्त्त विचार	१५८
चन्द्रवास, योगिनीवास, दिक्शूल, नक्षत्र-शूल, लग्न-विचार व यात्रा प्रस्थान-विचार	१५९-१६१
राहुमुखज्ञान, गृहारम्भ विचार, चौघड़िया मुहूर्त्त-चक्र	१६१
चैत्रादि मासानुसार गृहारम्भ फल, वत्स-चक्र, कुआं खोदने या नल लगाने का मुहूर्त्त	१६२
द्वारस्थापन विचार, जीर्ण-नूतन गृह प्रवेश-मुहूर्त्त, कुम्भ-चक्र व दूकान (विपणि) मुहूर्त्त	१६३
व्यापार प्रारम्भ, नौकरी, मुकदमा, मशीनरी, पशुक्रय, मन्दिर निर्माण व जलाशयारामसुरप्रतिष्ठा मुहूर्त्त, जपनीय- चुल्लिचक्र विचार, हल प्रवहण मुहूर्त्त, बीजवपन मुहूर्त्त, राहु नक्षत्र से बीजोप्ति चक्र, ग्रहों के दान समय, जपसंख्या, औषधसेवन मुहूर्त्त, वाहन आरोहण मुहूर्त्त	१६४-१६५
मन्त्र एवं हवन-समिधा ज्ञानार्थ-चक्र	१६६
भारत के प्रमुख नगरों के पलभा, अक्षांश, रेखांश एवं देशान्तर	१६७-१६८
लग्नसाधन के लिए पलभा से चरखण्ड तथा स्वदेशीय उदयमान बनाने की विधि लघुरित्थ सारिणी	१६९-१७०
अभीष्ट स्थान के सूर्योदय तथा इष्टकाल बनाने की विधि	१७१-१७२
विभिन्न अंगों पर पल्ली (छिपकली/किरल) गिरने का फल एवं उपचार, छींक विचार	१७३
जन्मकुण्डली एवं वर्ष कुण्डली में द्वादशभावस्थसूर्यादि ग्रहों का फल	१७४

♦ विषय-सूची ♦

♦ विक्रम संवत् २०७९ ♦

विक्रम संवत् २०७९ सन् २०२२-२०२३ ई. में मेषादि द्वादश राशियों का मासिक-फल

मेष (ARIES) चु, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ ।

यह वर्ष आपके लिए मिश्रितफलदायक रहेगा। सम्पूर्ण वर्ष शुभाशुभ फलप्राप्ति में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। राशीश मंगल के राशि से एकादश स्थान में रहने से वर्षारम्भ में कार्यव्यवसाय के क्षेत्र में नवीन योजनाओं का क्रियान्वन प्रारम्भ हो जाएगा, लाभ मार्ग प्रशस्त होंगे। धनागम व आय के स्रोतों की वृद्धि होगी, मनोनुकूल कार्य सिद्धि से मनोबल उच्च रहेगा, शिक्षा, उद्योग कृषि एवं व्यापार से लाभ होगा। संचित धन में वृद्धि से मन प्रसन्न रहेगा राजकीय सेवा एवं राजनीतिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी। तीर्थाटन व धार्मिक आयोजनों से भ्रमण के सुअवसर प्राप्त होंगे। वर्ष के मध्य में आय-व्यय का संतुलन प्रभावित रहेगा, मांगलिक कार्यों में व्यय की अधिकता रहेगी, वर्षान्त में भूमि-भवन-वाहन का सौख्य रहेगा। सन्तान पक्ष से संतुष्टि रहेगी किन्तु, भ्रातृपक्ष से असहयोग रहेगा।। व्रण, उच्च रक्तचाप, उदपीड़ा, पित्तविकार से शरीर अस्वस्थ रहेगा, मानसिक क्लेश व अज्ञात भय से मन संतप्त रहेगा। अनिष्ट परिहार हेतु हनुमादुपासना व सुन्दरकाण डपाठ श्रेयस्कर रहेगा।

चैत्र शुक्ल पक्ष-वैशाख (०२ अप्रैल से १६ मई २०२२ ई. तक)

यह समय आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। राशीश मंगल कुम्भ में रहेगा अत: धनागम के योग बनेंगे कार्यों की सिद्धि होगी। आय के साधनों में सुधार की सम्भावना रहेगी। मान प्रतिष्ठा में वृद्धि एवं मनोनुकूल स्थिति रहेगी। योजनाओं का क्रियान्वन एवं कारोबार सम्बन्धी दूरगामी यात्रा विशेष फलदायक रहेगी, ०७ अप्रैल के बाद शनि की दृष्टि के कारण कार्यक्षेत्र के बदलाव, उतार-चढ़ाव से मानसिक अशान्ति रहेगी। न्यूनाधिक लाभ से अस्थिरता रहेगी, १८ मई मंगल द्वादशस्थ स्थान में होने से पारिवारिक समस्याएँ बढ़ेगी। स्वास्थ्य नर्म रहेगा, उदर-पीड़ा व शिरोवेदना से शरीर रक्षा अपेक्षित रहेगी। ९, १०, ११, १८, १९, २०, २७, २८ अप्रैल एवं ६, ७, ८, १६ मई के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (१६ मई से १३ जुलाई २०२२ ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। कार्यक्षेत्र/व्यवसाय से सम्बन्धित परेशानियाँ रहेगी। घर परिवार में कलह व पत्नी से वैचारिक मतभेद रहेगा। क्रोध उत्तेजना व आपसी विवाद से बचाव अपेक्षित रहेगा। कार्य व्यापार संबंधी साधन गतिशील होंगे परन्तु धनागम सामान्य रहेगा। धन संबंधी अनावश्यक झगड़े एवं विवादो से मानसिक तनाव रहेगा। प्रतियोगियों के कारण संकुचित लाभ से मन खिन्न रहेगा। १७, २१, २५ मई एवं ३, ४, ५, १२, १३, २०, २१, २२, ३० जून एवं १, २, ९, १० जुलाई के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

श्रावण-भाद्रपद (१४ जुलाई से १० सितम्बर २०२२ ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में अधिक परिश्रम करने पर भी स्वल्प लाभ होगा। मनोनुकूल कार्य नहीं होंगे। शिरोवेदना, रक्तविकार, ज्वरादि की सम्भावना रहेगी, न्यूनाधिक्य रक्तचाप से स्वास्थ्य नरम रहेगा। भूमि वाहन सम्बन्धी हानि होगी। धनागम न्यून व अधिक व्यय से धन का संतुलन प्रभावित होगा। वाणी पर संयम बरते अन्यथा कोट/कचहरी व मुकदमो की सम्भावना रहेगी। सरकारी कार्यों से मन खिन्न रहेगा। पति/पत्नी में कलह व परिवार असंतुष्ट रहेगा। १८, १९, २७, २८, २९ जुलाई एवं ८, ७, १४, १५, २४, २५, अगस्त एवं २, ३, १० सितम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

आश्विन-कार्तिक (११ सितम्बर से ०८ नवम्बर २०२२ ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में अनेक शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। अधिक व उचित परिश्रम से धनागम

में सफलता के अवसर प्राप्त होगे, भाग्य से धनप्राप्ति सन्तान सौख्य तथा यशप्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। ७, ८, १६, १७, २४, २५, २६ अप्रैल एवं ४, ५, ६, १४, १५ मई के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (१६ मई से १३ जुलाई २०२२ ई, तक)

यह समय आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा, पूर्व निलंबित योजनाओं में सफलता मिलेगी। व्यवसाय में स्थिरता आने से मन प्रसन्न रहेगा व्यवसायिक पक्ष व राजनीतिक पक्ष धनार्जन का साधन बनेंगे भूमि वाहन व भवन से संबन्धित क्षेत्रों में लाभ प्राप्ति होगी, २९ जूलाई गुरु वक्री होगा। परिवार में अशान्ति रहेगी, क्रोध के कारण वाणी की अस्थिरता धनहानि का करण बनेगी, उदर पीडा व मानसिक उत्तेजना रक्तचाप व वात दोष से स्वास्थ्य मलिन रहेगा उत्तरार्ध में शनि के प्रभाव से चिन्ताओं में वृद्धि होगी। २२, २३, ३१ मई, १, २, १०, ११, १८, १९, २८, २९, ३० जून एवं ७, ८ जुलाई के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

श्रावण-भाद्रपद (१४ जुलाई से १० सितम्बर २०२२ ई, तक)

यह समय आपके लिये मिश्रित फलदायक रहेगा धनप्राप्ति के साधनों में वृद्धि होगी, व्यापार में यदा कदा समस्या उत्पन्न होगी किन्तू सूझ बुझ व धैर्य से समाधान के मार्ग प्रशस्त होगें, पूर्वार्ध में गुरु वक्री रहेगा गुप्त शत्रुओं से सावधानी अपेक्षित रहेगा, समय से कार्य व योजनाओं का क्रियान्वन उत्तम रहेगा उत्तरार्ध में समय अनुकूल होगा। १५, १६, १७, २५, २६, २७ जुलाई एवं ४, ५, १२, १३, २१, २२, २३, ३१ अगस्त एवं ८, ९ सितम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

आश्विन-कार्तिक (११ सितम्बर से ०८ नवम्बर २०२२ ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा पूर्वार्ध में कार्य व्यवसाय उत्तम गति से फलदायक रहेंगे, भौतिक सुख साधनो का सौख्य रहेगा होगा, आकास्मिक कार्यसिद्धि, धनलाभ से पराक्रम में वृद्धि व मनोबल उच्च रहेगा। आयात निर्यात के क्षेत्र में पूजी निवेश के सुअवसर प्राप्त होगें परिवार कुटुम्ब में सौहार्द एवं पति/पत्नी में सहयोग रहेगा आध्यात्मिक व धार्मिक कृत्यों में सहभगिता, तीर्थाटन के सुअवसर प्राप्त होंगे । १७, १८, १९, २७, २८ सितम्बर, ६, ७, १५, १६, २४, २५ अक्टूबर एवं २, ३ नवम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

मार्गशीर्ष-पौष (९ नवम्बर २०२२ ई. से ०६ जनवरी २०२३ ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फालदायक रहेगा मासारम्भ में शुभ समाचारों से मन प्रसन्न रहेगा, शिक्षा, दानधर्म में रुचि बढेगी, छात्रवर्गो के लिए विदेश में शिक्षा के अवसर मिलेंगे, मित्रों सगे सम्बन्धियों से सहयोग रहेगा एवं व्यवसायिक कार्यो में वृद्धि के मार्ग प्रशस्त होंगे। मासान्त में धनलाभ, यात्रा तथा सन्तान पक्ष से शुभ समाचार मिलेंगें राजकीय क्षेत्रों में पदोन्नति की संभावना रहेगी। ११, १२, २१, २२, २९, ३० नवम्बर, ८, ९, १०, १८, १९, २६, २७ दिसम्बर एवं ५, ६ जनवरी २०२३ के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण पक्ष (०७ जनवरी से २१ मार्च २०२३ ई, तक)

यह समय आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। मासारम्भ में कार्यक्षेत्र व व्यवसाय में मन प्रसन्न रहेगा, पैतृक सम्पत्ति की प्राप्ति होगी। उत्तरार्ध में परिस्थितियाँ परिवर्तित होगी, कठिन प्रतिस्पर्धा, उच्चरक्तचाप एवं वायु विकार कष्टदायक होगा, मासान्त में स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा, तीर्थाटन के सुअवसर प्रसन्नतादायक रहेंगें । १४, १५, १६, २३, २४ जनवरी, १, २, ११, १२, १९, २०, २८ फरवरी एवं १, २, १०, ११, १९, २० मार्च के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

प्रो. नीलम ठगेला
अध्यक्ष, ज्योतिष-विभाग

दृक्सिद्धं निरयणञ्च चित्रापक्षीयमुत्तमम् । "विद्यापीठस्य पञ्चाङ्गम्" भूमौ विजयतेतराम्॥

ISSN 2229-3450

दृक्सिद्ध निरयण भारतीय

राजा-बुध
विक्रम संवत्-२०८०
शक-संवत्-१९४५

मन्त्री-शुक्र
भा०गणराज्य-संवत् ७६-७७
ईशवीय-सन् २०२३-२०२४

विद्यापीठ-पञ्चाङ्गं

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय-विश्वविद्यालय)

बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली - ११००१६

वर्ष : ४१

संवत्सर - पिङ्गल

मूल्य रू. ५०/-

♦ विद्यापीठ पञ्चाङ्ग ♦

संक्षिप्त-परिचय	१
प्रस्तावना	२-३
विद्यापीठ-पञ्चाङ्ग की विषय सूची	४
संवत्सरादि फल	५-१२
शनि की साढ़ेसाती व ढ़ैय्या का फल	१३-१५
आय-व्यय बोधक चक्र	१६
मेषादि द्वादश राशियों का मासिक फल	१७-३४
वि० संवत् २०८० के व्रत-पर्व एवं उत्सव	३३-४२
वि. सं. २०८० के वर्गीकृत व्रत-पर्वों की सूची	४३-४४
ग्रहों के राशि एवं नक्षत्रचार वि. सं.-२०८०	४५-४६
ग्रहों के वक्रत्व-मार्गत्व एवं उदयास्त	४७
सर्वार्थसिद्धि-गुरुपुष्य-रविपुष्य-त्रिपुष्कर द्विपुष्कर, सिद्धियोग, अमृतयोग एवं रवियोग	५०-५६
वि.सं. २०८० दैनिक राहुकाल सारिणी	५७-६१
क्रांति-चर-वेलान्तर-स्पष्टान्तर सारिणी	६२-६५
वि० संवत् २०८० के ग्रहण का विवरण	६६-६८
संदिग्ध व्रत-पर्व निर्णय वि० संवत् २०८०	६९-७४
वि.सं. २०८० के माङ्गलिक मुहूर्त्तों का विवरण	७५
वि.सं. २०८० के विवाहादि मुहूर्त्त	७६-८९
गण्ड-मूलादि जन्म विचार	९०
विक्रम-संवत् २०८० का पञ्चाङ्ग	९१-११६
वि० संवत् २०८० के दैनिक स्पष्ट ग्रह	११७-१३०
दैनिक लग्न सारिणी	१३१-१३७
षड्वर्ग-चक्र	१३८-१३९
विंशोत्तरीदशा सारिणी	१४०

♦ विषय-सूची ♦

विंशोत्तरी-दशान्तर्दशा-चक्र	१४१
नवीन-प्राचीन वर्ष-प्रवेश सारिणी	१४२
मुद्दादशा, योगिनीमुद्दादशा, त्रिराशिपति-चक्र	१४२
वर्षफल निर्माण-विधि	१४३
लग्नसारिणी अक्षांश	१४४-१४९
दशमलग्नसारिणी	१५०
ग्रहमैत्री-चक्र, सिद्धयादियोग-चक्र	१५१
अन्धाक्षादिसंज्ञा, शिववास	१५१
विविध मुहूर्तों का विचार	१५२
गर्भाधान, पुंसवन-सीमन्त, स्तनपान का मुहूर्त्त	१५२
जलपूजन, जातकर्म-नामकरण, निष्क्रमण तथा भूमि पर प्रथमोपवेशन के मुहूर्त्त-विचार	१५३
अन्नप्राशन,कर्णवेध तथा मुण्डन संस्कार का विचार	
नासिकाछेदन, अक्षरारम्भ	१५५
विद्यारम्भमुहूर्त्त का विचार	१५५
उपनयन, विवाह-संस्कार का विचार	१५६
वर-कन्या का जन्मपत्रिका मेलापक, दुष्टभकूट, गणकूट, ग्रहकूट का परिहार	१५७
नाड़ी-गणदोष का परिहार, वरवरण, कन्या-वरण का मुहूर्त्त एवं विवाह मुहूर्त्तोपयोगी त्रिबलशुद्धि	१५८
वधूप्रवेश तथा द्विरागमन-मुहूर्त्त का विचार	१५९
जन्माक्षर-चक्र	१६०-१६२
मेलापक-सारिणी	१६३-१६६
मंगलीदोष-विचार, मंगलीदोष-परिहार	१६७
विवाहादि कार्यों में सूर्य, चन्द्र व गुरु का अष्टक-वर्ग, यात्रा मुहूर्त्त विचार	१६८

♦ विक्रम संवत् २०८० ♦

चन्द्रवास, योगिनीवास, दिक्शूल, नक्षत्र-शूल, लग्न-विचार व यात्रा प्रस्थान-विचार	१६९-१७१
राहुमुखज्ञान, गृहारम्भ विचार, चौघड़िया मुहूर्त्त-चक्र	१७०-१७१
चैत्रादि मासानुसार गृहारम्भ फल, वत्स-चक्र, कुआं खोदने या नल लगाने का मुहूर्त्त	१७२
द्वारस्थापन विचार, जीर्ण-नूतन गृह प्रवेश-मुहूर्त्त, कुम्भ-चक्र व दूकान (विपणि) मुहूर्त्त	१७३
व्यापार प्रारम्भ, नौकरी, मुकदमा, मशीनरी, पशुक्रय, मन्दिर निर्माण व जलाशयारामसुरप्रतिष्ठा मुहूर्त्त, जपनीय- चुल्लिचक्र विचार, हल प्रवहण मुहूर्त्त, बीजवपन मुहूर्त्त, राहु नक्षत्र से बीजोप्ति चक्र, ग्रहों के दान समय, जपसंख्या, औषधसेवन मुहूर्त्त, वाहन आरोहण मुहूर्त्त	१७४-१७५
मन्त्र एवं हवन-समिधा ज्ञानार्थ-चक्र	१७६
भारत के प्रमुख नगरों के पलभा, अक्षांश, रेखांश एवं देशान्तर	१७७-१७८
लग्नसाधन के लिए पलभा से चरखण्ड तथा स्वदेशीय उदयमान बनाने की विधि लघुरित्थ सारिणी	१७९-१८०
अभीष्ट स्थान के सूर्योदय तथा इष्टकाल बनाने की विधि	१८१-१८२
विभिन्न अंगों पर पल्ली (छिपकली/किरल) गिरने का फल एवं उपचार, छींक विचार	१८३
जन्मकुण्डली एवं वर्ष कुण्डली में द्वादशभावस्थसूर्यादि ग्रहों का फल	१८४

विक्रम संवत् २०८० सन् २०२३-२०२४ ई. में मेषादि द्वादश राशियों का मासिक-फल

मेष (ARIES) चु, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ ।

यह वर्ष आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा, वर्षारम्भ में राशीश मङ्गल, २१ अप्रैल तक राशि से तृतीय स्थान में रहेंगे अत: साहस, पराक्रम में वृद्धि रहेगी। छोटे भ्राता से वैचारिक मतभेद रहेंगे, कार्य व्यवसाय की नवीन योजनाएँ क्रियान्वित होंगी। वर्षारम्भ में सूर्य इस राशि पर उच्चस्थ रहेंगे एवं भाग्येश-द्वादशेश गुरु के साथ युक्त रहेंगे फलस्वरूप राज्य पक्ष से लाभ एवं भाग्य बली, रहेगा। एकादशस्थान से शनि की विशेष तृतीय दृष्टि राशि पर रहने से कार्यक्षेत्र-व्यवसाय में मनोवाञ्छित लाभ प्राप्ति में न्यूनता रहेगी, १० मई से मंगल चतुर्थ स्थान में नीचस्थ रहेंगे, फलस्वरूप भूमि-वाहन संबधी समस्याएँ एवं कष्टों का सामना करना पड़ेगा अगस्त मास मे स्वास्थ्य नरम रहेगा। २ जुलाई मे भाग्येश की विशेष पूर्ण दृष्टि संतान सुख में सहायक होगी वर्ष के मध्य भाग में शत्रुपक्ष से ईर्ष्या व प्रतियोगिता का वातावरण रहेगा। उत्तरार्ध में भाग्योदय, विदेश गमन व कार्य व्यवसाय में सफलता रहेगी। मनोकामनाएँ पूर्ण होगी। अनिष्ट परिहार हेतु हनुमदुपासना श्रेयस्कर रहेगी।

चैत्र शुक्ल पक्ष-वैशाख (२२ मार्च से ०५ मई २०२३ ई. तक)

यह समय आपके लिए अनुकूल फलदायक रहेगा। मेष राशि पर उच्चस्थ सूर्य की स्थिति होने और भाग्येश गुरु के सम्पूर्ण वर्ष राशि पर होने से भाग्य की प्रबलता से लाभ प्राप्त होंगे। लम्बित कार्य को सम्पन्न करने में सफलता प्राप्त होगी, व्यवसाय सम्बन्धी लाभकारी नवीन योजनाओं को कार्यान्वित करने में सफल होंगे। उच्चस्थ सूर्य के भाग्यस्थ गुरु के साथ युति होने से मान सम्मान में वृद्धि व प्रतिष्ठित लोगों से सम्पर्क बढ़ेंगे, समाज में प्रतिष्ठा व यश की प्राप्ति होगी। २६, २७, २८ मार्च, ५, ६, ७, १४, १५, २३, २४ अप्रैल एवं ३, ४ मई के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (०६ मई से ०३ जुलाई २०२३ ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। राशीश मङ्गल अपनी नीच राशि कर्क में स्थित रहेंगे, अत: कार्यक्षेत्र व व्यवसाय में लाभ प्राप्ति किञ्चित लम्बित रहेगी, गृहनिर्माण एवं वाहनसुख में अस्थितरता बढ़ेगी, आकस्मिक कठिनाईयाँ उत्पन्न हो सकती है। छात्र वर्ग के लिए योग्यता के परिणाम, किञ्चित विलम्ब से प्राप्त होंगे किन्तु समाजिक मान सम्मान व प्रतिष्ठा में कोई कमी नहीं होगी, मास के उत्तरार्ध में लाभेश शनि की पूर्ण दृष्टि राशीश पर होने से राजनीति के क्षेत्र में सफलता के योग बनेंगे, नवीन कार्यालय व सन्तान सुख का भी लाभ प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र व व्यापार में उन्नति के उत्तम अवसर प्राप्त होंगे। १२, १३, २०, २१, २२, ३०, ३१ मई एवं १, ८, ९, १७, १८, २७, २८ जून के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

श्रावण (अधिमास)-भाद्रपद (०४ जुलाई से २९ सितम्बर २०२३ ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। स्वास्थ्य किञ्चित नर्म रहेगा, ज्वर, संक्रमण, निम्न व उच्च रक्तचाप, उदर विकार आदि से शरीर रक्षा आवश्यक रहेगी। नौकरी पेशा वर्ग का स्थानान्तरण सम्भव है परन्तु आय का साधन बना रहेगा, शत्रु पक्ष से प्रतियोगिता के लिए कठिन परिश्रम अपेक्षित रहेगा। कार्यक्षेत्र व व्यवसाय में धनागम के मार्ग यदा-कदा लम्बित होंगे। उत्तरार्ध में कार्यक्षेत्र में साझेदारी के अवसर प्राप्त होंगे। सूझबूझ से व्यवसायिक उन्नति के द्वार खुल सकते है। पति/पत्नी से सम्बन्ध सामान्य रहेंगे। यदा कदा आकस्मिक समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं किन्तु

कारण बन सकता है। १०, ११, १८, १९, २८, २९ मई ६, ७, १४, १५, १६, २४, २५, २६ जून एवं ३ जुलाई आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

श्रावण (अधिमास)-भाद्रपद (०४ जुलाई से २९ सितम्बर २०२३ ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। कार्यक्षेत्र एवं व्यापार की दृष्टि से समय मध्यम रहेगा, लाभांश प्रतिद्वन्द्वियों के साथ बाँटना पड़ सकता है। परिवार में सुख-शान्ति एवं मनोरंजन का वातावरण रहेगा कई मांगलिक कार्य भी सम्भव है मातृ पक्ष एवं संतान के लिए हर्ष एवं संतुष्टि रहेगी। उत्तरार्ध में धनप्राप्ति एवं वित्त संचय का योग है। नौकरी पेशा लोगों के लिए किञ्चित् कष्टकारी रहेगा। पत्नी/पति पक्ष से असहयोग एवं मनमुटाव रहेगा। ४, १२, १३, २१, २२, २३, ३१ जुलाई १, ८, ९, १८, १९, २७, २८ अगस्त एवं ४, ५, १४, १५, २३, २४, २५ सितम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

आश्विन-कार्तिक (३० सितम्बर से २७ नवम्बर २०२३ ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। आर्थिक क्षेत्र में उत्तरोत्तर लाभ एवं प्रगति से प्रसन्नता व आत्मतुष्टि मिलेगी। मान-सम्मान में वृद्धि समुदाय में अग्रणी रहेंगे। दूर-पास की यात्राएँ लाभकारी रहेंगी। संतान की शिक्षा अथवा व्यापार हेतु विदेशगमन का अवसर प्राप्त होगा। पति/पत्नी से सम्बन्ध सामान्य रहेंगे। न्यायालय संबंधी कार्य लम्बित हो सकते हैं। २, ३, ११, १२, १३, २१, २२, २९, ३० अक्टूबर एवं ७, ८, ९, १७, १८, २५, २६, २७ नवम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

मार्गशीर्ष-पौष (२८ नवम्बर २०२३ ई. से २५ जनवरी २०२४ ई, तक)

यह समय आपके लिए मध्यमफलदायक रहेगा। कार्यक्षेत्र एवं रोजगार की दृष्टि से यह समय अत्युत्तम फलदायक है, धनागम एवं लाभ प्राप्ति से आत्मविश्वास बना रहेगा। नए-नए रोजगारों से धनप्राप्ति होगी परिवार एवं बन्धु बान्धवों के सहयोग से दिन प्रतिदिन कार्य-व्यापार में प्रगति होगी, इच्छा पूर्ति एवं भौतिक सुख साधनों का सुख मिलेगा व उत्तरार्ध में स्वास्थ्य नरम रहेगा। पत्नी/पति पक्ष से सहयोग रहेगा। संतान पक्ष की शिक्षा-दीक्षा से मन प्रसन्न रहेगा। ५, ६, १४, १५, २३, २४ दिसम्बर एवं १, २, ११, १२, १९, २० जनवरी के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण पक्ष (२६ जनवरी से ०८ अप्रैल २०२४ ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। व्यवसाय रोजगार में उन्नति, भूमि वाहन-भवनादि का सौख्य रहेगा व शत्रु पक्ष से अनुकूल फल की प्राप्ति होगी। उत्तरार्ध में कठिन परिश्रम एवं संघर्ष से धनसंचय होगा पूर्व में लम्बित कार्य सिद्ध होंगे। मान-सम्मान में वृद्धि माता-पिता के साथ तीर्थाटन का योग है, वृथा भागदौड़ से बचें उत्तरार्ध में पारिवारिक सामञ्जस्य एवं सुख शान्ति वृद्धि से हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा, भ्रातृ पक्ष से सहयोग रहेगा। २८, २९, ३० जनवरी २०२४, ६, ८, १५, १६, २५, २६ फरवरी एवं ५, ६, ७, १४, १५, २३, २४ मार्च के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

प्रो. नीलम ठगेला

अध्यक्ष, ज्योतिष-विभाग